BECC-132

कला स्नातक कार्यक्रम
(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए के लिए

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी. 132

व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ई.सी.सी. 132 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II
सत्रीय कार्य (जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए के लिए)

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 तथा 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं।

इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी. 132 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है। यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य हैं जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य - ए में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु की ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य - बी में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, यहाँ आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य – सी में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये प्रश्न आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

सत्रीय कार्य जमा करना

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2019 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	30 अप्रैल 2020	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2020 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	31 अक्टूबर 2020	

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्यों में दिये गये सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार देंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तरों से स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम उत्तर साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

शुभकामनाओं के साथ !!!

अर्थषास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

बी.ई.सी.सी. 132 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठयक्रम कोड : बी.ई.सी.सी. 132
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./ जुलाई 2019 और जनवरी 2020
कुल अंक : 100

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य - ए

इन वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर 500–500 शब्दों में लिखे।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत हैं। **2× 20 = 40**

1. (क) 'अल्पकाल में घाटा उठा रही पूर्ण प्रतियोगी फर्म को काम बंद करने पर कहीं अधिक हानि हो सकती है।' चर्चा करें।

(ख) निम्नाकिंत चित्र-1 पर विचार करें जहां पूर्ण प्रतियोगिता है और MC, ATC, AVC, D और AR क्रमशः सीमांत लागत, औसत सकल लागत, औसत परिवर्ती लागत, मांग तथा औसत आगम दर्शा रहे हैं। इस चित्र के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें :

(i) इस फर्म के लिए अल्पकालिक अधिकतम लाभ वाला उत्पादन स्तर क्या होगा? इस उत्पादन पर सीमांत आगम क्या है?

(ii) इस फर्म के अल्पकालिक संतुलन स्तर पर कुल लागत कितनी है?

(iii) अल्पकाल में फर्म लाभ कमा रही है या हानि सहन कर रही है? लाभ या हानि कितनी है? क्या इसे काम बंद कर देना चाहिए?

(iv) संतुलन बिंदु पर फर्म की स्थिर लागत क्या है? यदि फर्म संतुलन बिंदु पर नहीं हो तो क्या इसमें कुछ परिवर्तन होगा?

(v) इस फर्म का अलाभ-हानि बिंदु क्या है? इस फर्म के लिए काम बंदी कीमत क्या होगी?

(vi) यदि स्थिर लागत में वृद्धि हो जाए तो फर्म के अल्पकालिक अधिकतम लाभ देने वाले उत्पादन स्तर पर क्या प्रभाव होगा?

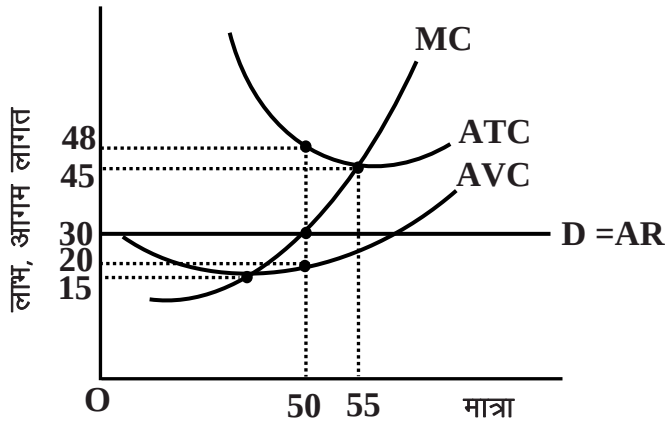

चित्र 1

अथवा

(क) उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग कर एक पूर्ण प्रतियोगी फर्म के अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक संतुलन की शर्तों की तुलना करें।

(ख) एक पूर्ण प्रतियोगी बाज़ार का सीमांत लागत फलन इस प्रकार है : $MC(Q) = 4Q + 5$, जहां Q उत्पादन को दर्शाता है। यह फर्म अपने उत्पादन की प्रत्येक बिक्री की हुई इकाई पर रु. 25 का सीमांत आगम प्राप्त करती है। मान लें कि फर्म तीन इकाई उत्पादन करने का निर्णय लेती है। क्या यह फर्म का अधिकतम लाभ निर्णय होगा?

यदि नहीं, तो अपना लाभ अधिकतम करने के लिए फर्म को कितना उत्पादन करना चाहिए? क्या दीर्घकाल में यह फर्म ऋणात्मक आर्थिक लाभ कमाएंगी या धनात्मक आर्थिक लाभ अथवा शून्य आर्थिक लाभ?

2. (क) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के 'परम लाभ' एवं 'तुलनात्मक लाभ' सिद्धांतों में भेद स्पष्ट करें।

(ख) निम्नांकित चित्र-2 पर विचार करें जहां AB तथा A'B' दो उत्पादन संभावना सीमा वक्र हैं। दो ही देश हैं, 1 एवं 2। ये देश क्रमशः पूंजी एवं श्रम प्रचुर हैं जबकि वस्तु X और Y क्रमशः श्रम एवं पूंजी साधन हैं। मान लें कि P तथा P' इन देशों के संवृतावस्था संतुलन बिन्दु हैं और Q तथा Q' उनके अनावृत्त (व्यपार सहित) संतुलन बिन्दु हैं। दोनों देश व्यापार की दशा में समाधिमान वक्र IC पर E बिन्दु पर उपयोग कर रहे हैं। हैक्शर-ऑहिलन सिद्धांत की मान्यताएं मान कर इन प्रश्नों के उत्तर दें :

(i) AB तथा A'B' में से क्रमशः देश 1 और 2 के उत्पादन संभावना सीमा वक्र कौन-से हैं?

(ii) देश 1 और 2 में से कौन X का आयात करेगा और कौन Y का?

(iii) क्या एक देश का X का आयात दूसरे देश के X के निर्यात के समान होगा? वस्तु Y के आयात निर्यात के परिमाणों के विषय में क्या कहा जा सकता है?

(iv) क्या संप्राप्त उपयोगिता के संदर्भ में व्यापार दोनों देशो के लिए लाभप्रद है?

(v) रेखा *ll'* का ढाल क्या दर्शाता है?

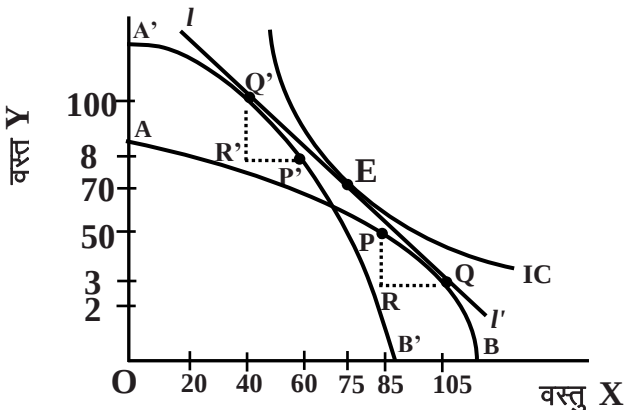

चित्र 2

अथवा

(क) ''हैक्शर-ऑहिलन सिद्धांत का प्रारंभ उसी बिन्दु से होता है जहां तुलनात्मक लाभ का सिद्धांत समाप्त होता है।'' चर्चा करें।

(ख) निम्न तालिका–1 पर विचार करें। यहां देश A और देश B में क्रमशः वस्तु X तथा Y की एक इकाई के उत्पादन की श्रम-लागत अंकित की गई है। इनके आधार पर निम्न प्रश्नो के उत्तर दें।

तालिका 1 : वस्तु X तथा Y के उत्पादन की देश A और B में इकाई श्रम लागत

	वस्तु X	वस्तु Y
देश A	2	4
देश B	12	6

(i) किस देश को वस्तु X के उत्पादन में परम लाभ सुलभ है, और किसे वस्तु Y के उत्पादन में? कारण बताएं।

(ii) किस देश को X के उत्पादन में तुलनात्मक लाभ सुलभ है और किसे Y के उत्पादन में? कारण बताएं।

(iii) मान लें कि व्यापार होने पर देश अपने-अपने तुलनात्मक लाभ उद्योग में विशिष्टीकरण प्राप्त कर लेते हैं। कौन-सा देश केवल वस्तु X का उत्पादन करने लगेगा?

सत्रीय कार्य – बी

इन मध्यमवर्गीय प्रश्नो के उत्तर 250–250 शब्दों में लिखें।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक नियत हैं। **$3\times 10 = 30$**

3. समझाइए कि एकाधिकारी का सुपरिभाषित आपूर्ति वक्र क्यों नहीं होता?

अथवा

एक एकाधिकारी के लिए बाज़ार मांग फलन इस प्रकार है :

$Q = 30 - P$, जहां Q उत्पादन तथा P कीमत है। उस फर्म की सकल लागत $C(Q) = 2Q^2$ है। अधिकतम लाभ देने वाले कीमत एवं मात्रा निर्धारित करें। अपने परिणामों की तुलना उस स्थिति से करें जो पूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति में प्राप्त होते।

4. एक व्युत्क्रमित मांग वक्र बनाएं तथा समझाएं कि सीमांत लागत के कुछ परिवर्तन क्यों बाज़ार कीमत को प्रभावित नहीं कर पाते।

अथवा

(क) अल्पाधिकारी बाज़ार में रणनीतिक निर्णय प्रक्रिया पर चर्चा करें।

(ख) कूर्णो एवं स्टैक्ल वर्ग प्रतिमानों की मान्यताओं में भेद स्पष्ट करें।

5. (क) फर्म के लिए उत्पादक एवं आवंटनात्मक दक्षता की शर्तों का क्या अर्थ होता है?

(ख) क्या एकाधिकार उत्पादक एवं आवंटनात्मक दक्षतापूर्ण होता है?

अथवा

(क) बाज़ार संरचना में पूर्ण प्रतियोगिता की मान्यताओं से विचलनों के स्वरूपों पर चर्चा करें।

(ख) एक पीगूवादी कर बाध्यता की समस्या का समाधान किस प्रकार कर देता है?

सत्रीय कार्य – सी

इन संक्षिप्त प्रश्नों के उत्तर 100-100 शब्दों में दें।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक नियत हैं । **5 x 6 = 30**

6. अपूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति में किसी साधन के सीमांत उत्पादन मूल्य तथा सीमांत आगम उत्पादन में संबंध समझाएं।

7. मार्शल और रिकार्डों के लगान सिद्धांतो की तुलना करें।

8. किसी ''साधन की व्युत्पन्न मांग'' से क्या अभिप्राय है?

9. एकाधिकार की दशा में "परम हानि" स्पष्ट करें। क्या ऐसा पूर्ण प्रतियोगिता में भी होता है?

10. क्षेम अर्थशास्त्र के प्रथम मूल प्रमेय की व्याख्या करें।